भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3787
11 **अगस्त**, 2023 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

झारखंड में आयुष अस्पताल

3787. श्री संजय सेठ:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) झारखंड में कार्यशील आयुष अस्पतालों की संख्या तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं का विधा-वार और जिले-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) ऐसे आयुष अस्पतालों में जिले-वार कितने लोगों का उपचार किया जाता है; और
(ग) सरकार द्वारा लोगों को आयुर्वेद और होम्योपैथी उपचार के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए/प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जैसा कि झारखंड राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट किया गया है, झारखंड में कोई भी आयुष अस्पताल कार्य नहीं कर रहा है।

(ख): (क) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

(ग): आयुष मंत्रालय देश में विभिन्न गतिविधियों के तहत आयुर्वेद और होम्योपैथी सहित आयुष चिकित्सा पद्धति के समग्र विकास और प्रचार के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से उनके द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के अनुरूप वित्तीय सहायता द्वारा उनके प्रयासों को सहायता देकर एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को लागू कर रहा है। मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:-

(i) आयुष स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्र।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना।
(iii) मौजूदा स्टैंडअलोन सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास पर) के लिए भवन का निर्माण/उन क्षेत्रों में नए

आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण, जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

(v) 10/30/50 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

(vi) राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी दवाइयों की आपूर्ति।

(vii) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

(viii) व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (ी सी सी ब)

(ix) राज्य और जिला स्तर पर गतिशीलता सहायता।

(x) आयुष ग्राम।

(xi) उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

(xii) आयुष स्नातक-पूर्व संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास।

(xiii) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना लागू करता है। इस योजना का लक्ष्य देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुंचना है और राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग उत्सव/उत्सवों, आयुर्वेद पर्व आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करना है। मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टी-मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है।

*****